विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 17 से 23 जुलाई 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 08 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

मनुष्य को उसकी बेवकूफी नहीं बल्कि कई बार स्वार्थ और अत्याधिक चालाकी करने वाली मानसिकता ले डूबती है. कई लोग स्वयं को बहुत बुद्धिमान समझते हैं और ऐसे ही लोगों को सबसे अधिक झटका लगता है. निर्मल मन और आपका स्वभाव ही आपके व्यक्तित्व का आईना होता है.

अमरावती जिले के सफलतम होटल व्यवसायी,सेवाभावी रवीन्द्रसिंह सलूजा उर्फ बिट्टू भैया को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.आप स्वस्थ रहें,मस्त रहें,यही कामना.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

ईडी को क्यों वापस करनी पड़ी सम्पत्ति

ग्लोबल लॉजिस्टिक के संचालकों ने स्टेट बैंक को लगाया था करोड़ों से चूना,सीबीआई ने की जांच

विदर्भ स्वाभिमान,16 जुलाई

नई दिल्ली/मुंबई- नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने कौशिक ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के आधिकारिक परिसमापक को 9.56 करोड़ रुपये मूल्य की अचल और चल संपत्ति सफलतापूर्वक वापस कर दी है.धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत कुर्क की गई संपत्तियों की वापसी, कोलकाता के बिचार भवन स्थित एक विशेष अदालत द्वारा पारित आदेश के अनुसार की गई.

प्रवर्तन निदेशालय ने सीबीआई की प्राथमिकियों के आधार पर धन शोधन की जांच शुरू की थी. जांच के दौरान, 10.86 करोड़ रुपये की आपराधिक आय का पता चला और

दो अनंतिम कुर्की आदेशों के तहत कुर्क किया गया.यह मामला एक बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ा है. ग्लोबल लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के निदेशक (धनंजय सिंह, संजय सिंह और मृत्युंजय सिंह) ने कथित तौर पर भारतीय स्टेट बैंक को चूना लगाया.

उन लोगों ने 85.39 करोड़ रुपये का लोन लिया था, जो जून 2013 तक गैर-निष्पादित आस्तियों में बदल गए. उन लोगों पर 60.38 करोड़ रुपये का बकाया था.सार्वजनिक परिवहन वोल्वो और मर्सिडीज बसें खरीदने के लिए लोन दिए गए थे. उन लोगों ने फर्जी बैंक खातों और जटिल वित्तीय लेनदेन का उपयोग करके पैसों का गबन कर लिया.कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ पहले ही एक अभियोजन शिकायत दर्ज की जा चुकी थी. इसके बाद राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण कोलकाता द्वारा नियुक्त आधिकारिक परिसमापक ने पीएमएलए, 2002 की धारा 8(8) के तहत एक आवेदन दायर कर कुर्क की गई संपत्तियों की वापसी की मांग की.विशेष अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली और प्रवर्तन निदेशालय को संपत्तियां सौंपने का निर्देश दिया.अब 10 अचल और 9 चल संपत्तियां परिसमापक को वापस कर दी हैं.

विदर्भ का नंदनवन पर्यटकों से गुलजार, हजारों पर्यटक कर रहे दीदार

विदर्भ स्वाभिमान,9 जुलाई

चिखलदरा-जिले की पर्यटन की शान तथा विदर्भ के नंदनवन चिखलदरा में जिस तरह से हजारों की संख्या में पर्यटक उमड़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिलाधिकारी आशीष येरेकर द्वारा पर्यटकों की सुविधा के लिए प्रभावी कदम उठाया जा रहा है. गत वीकेंड में जिस तरह से बुधवार को बैठक लेकर उन्हों ने इस विषय की गंभीरता को समझते हुए चिखलदरा में पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई फैसले लिए हैं, निश्चित तौर पर आगामी दिनों में इसका व्यापक असर पड़ने वाला है.

बोलने में कम और काम करने में अधिक विश्वास रखने वाले आशीष येरेकर ने विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में बताया कि जिले के चिखलदरा में

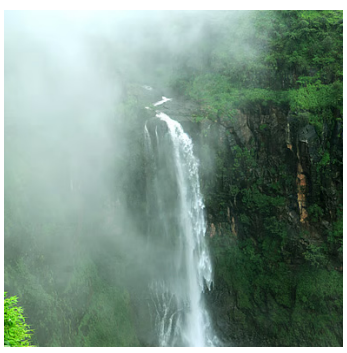

पर्यटन की अपार संभावना है और इसे जिला प्रशासन अत्याधिक प्राथमिकता दे रहा है. यहां पर विकास की गति बढ़ाने के साथ ही पर्यटकों से जुड़ी बेहतरीन सुविधाओं के लिए विभिन्न विभागों में समन्वय करते हुए प्रयास किया जाएगा. नगर पालिका , वन विभाग के साथ ही पुलिस और सभी विभाग अपनी जिम्मेदारी बेहतरीन तरीके से निभाएंगे.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 26वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

हरियाली भी भ्रष्टाचारियों की बलि चढ़ने की नौबत

सरकार द्वारा करोड़ों रूपए से पौधारोपण अभियान चला रहा है लेकिन इस अभियान को भी भ्रष्टाचार का दीमक निगलने तैयार है. महाराष्ट्र में ही पौधारोपण अभियान पर अभी तक 3200 करोड़ से अधिक का खर्च होने के बाद भी कितने पेड़ तैयार हुए हैं, इसका गहन जांच किया जाए तो कई सच्चाई और इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार निश्चित तौर पर सामने आएगा. राज्य तथा केन्द्र सरकार द्वारा पौधारोपण के माध्यम से पर्यावरण संतलन में योगदान देने के लिए हजारों करोड रुपए खर्च किए जा रहे हैं लेकिन इस कार्यक्रम में भी भारी भ्रष्टाचार के कारण हजारों करोड़ का खर्च होने के बाद भी हरियाली नहीं दिखाई देना निश्चित ही इंसानी स्वार्थ और पर्यावरण को लेकर गंभीर नहीं रहने का सबूत कहा जा सकता है. अकेले महाराष्ट्र में 5 साल में पौधारोपण पर 3261 करोड रुपए खर्च किया गया है. हैरत की बात यह है कि इतने करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी वन क्षेत्र के बाहर हरियाली तेजी से घटी है.इसमें कितना बड़ा गोलमाल वन विभाग तथा पौधारोपण करने वाली संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है इसके लिए किसी ऑडिट की जरूरत नहीं है. महाराष्ट्र के ही पड़ोसी मध्य प्रदेश में 1400 करोड रुपए खर्च किया गया है. देश में तेजी से बढ़ते भ्रष्टाचार रूपी दीमक ने अब पौधारोपण को भी अपने घेरे में ले लिया है.

मानव इस मामले में शेखचल्ली की भूमिका निभा रहा है. पर्यावरण का संतुलन अगर खतरे में आ गया तो इंसान की क्या हालत होगी इसकी बिना चिंता किए मानव अपने स्वार्थ के कारण किस तरह विनाश की ओर बढ़ रहा है, पैसे की लालच में अपने लिए ही शेखचिल्ली का काम क्यों कर रहा है, जिस डाली पर बैठा है इस डाली को काटने का प्रयास क्यों कर रहा है यह स्थिति सोच के बाहर है. पौधारोपण में कितना बड़ा भ्रष्टाचार है, हर साल बारिश के मौसम में सरकार द्वारा करोड़ों रुपए पौधारोपण के लिए दिया जाता है लेकिन हैरत की बात है कि पौधारोपण के माध्यम से जंगल हरे भरे होने के बजाय हरियाली का घटना निश्चित तौर पर यह स्पष्ट दर्शाता है कि मानव ने अपने स्वार्थ के चलते भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हुए इस मामले को उतना गंभीरता से नहीं ले रहा है जितना गंभीरता से उसे लेना चाहिए. इसमें चौंकाने वाली बात यह है कि कई राज्य ऐसे हैं जहां पौधारोपण पर हजारों करोड़ खर्च करने के बाद भी जंगल तथा हरियाली में भारी कमी आई है महाराष्ट्र में 2020 से 2025 के दौरान 5 साल में पौधारोपण पर करीब 3261 करोड रुपए खर्च किए गए. लेकिन इस दौरान हरियाली तेजी से घटी है.अमरावती जिले में भी पौधारोपण के खर्च पर अगर नजर डाला जाए और उसमें कितनी सफलता मिली है तो निश्चित तौर पर बड़ा भ्रष्टाचार होने से इंकार नहीं किया जा सकता है.आगामी पीढ़ियों को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण से छेड़छाड़ उचित नहीं है.

अपराधियों के बढ़ते हौसले चिंतनीय हैं

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अंबानगरी का यह सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य कहें कि यहां 200 घुमंतुओं के समक्ष मनपा तथा पुलिस प्रशासन हथियार डाल देता है. उन्हें भगाया जाता है और वे दूसरे दिन पहुंचकर करोड़ों रूपए के उड़ान पुल की सुंदरता को ग्रहण बनते हैं. कुछ व्यापारी अपने हित के लिए उनका साहित्य खरीदते हैं और इसका भुगतान पूरे शहर को करना पड़ता है. कानून का डर अपराधी पर नहीं है. सवाल यह है कि यहां के जनप्रतिनिधियों द्वारा मामला विधानसभा में उठाने के बाद भी न तो अपराधियों पर अंकुश लगता है और न ही घुमंतुओं पर ही अंकुश लगता है. इस तरह की कई घटनाएं सवाल पैदा करतीहैं कि क्या नियम ढीले हैं अथवा उस यंत्रणा का काम सही नहीं है, जिस पर शांति व्यवस्था तथा कानून का राज लागू करने की जिम्मेदारी है. नाबालिगों की गैंग, उनके द्वारा जानलेवा हमला, हत्या जैसे संगीन अपराध को अंजाम देने के बाद भी प्रशासन की लाचारी को आखिर क्या कहा जाए. आज आम आदमी स्वयं को सुरक्षित नहीं मान रहा है. इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाए. गांधी चौक का रात का नजारा क्या मनपा या पुलिस प्रशासन को नहीं दिखता है, जिसमें बीच चौक पर हाथ गाड़ी वाला अपनी गाड़ी खड़ी कर देता है. ग्राम पंचायत से भी बद्तर हालत महानगर की होने वाली भावना लोगों में बन रही है.

बडनेरा में महिला की हत्या तथा वेटर युवक का अपहरण जैसी घटना निश्चित तौर पर चिंता में डालने वाली है. पुलिस आयुक्त को इस मामले में गंभीरता से विचार करते हुए अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने के लिए पहल करनी चाहिए. नईबस्ती के आदिवासी नगर में एक महिला की घर में घुसकर हत्या कर दी गई.इस वारदात में नीलोफर के बचाने का प्रयास करने वाले 3 लोगों को भी हमलावरों ने चाकू मारकर घायल कर दिया. मृतक का नाम नीलोफर शेख जमीनल है. घायलों में सनम मिर्जा अफसर बेग और सलमा चौधरी अजहर चौधरी और नीलोफर के पति का समावेश है. हमलावरों में एक महिला व पुरुष का नाम पुलिस को ज्ञात हो गया है. उसे पकड़ने के लिए बडनेरा पुलिस समेत क्राइम ब्रंच जुटी है. इस बीच दोनों घायलों को जिला सरकारी अस्पताल से अमरावती सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटिल रेफर कर दिया गया है. नीलोफर के पति को पैर पर चाकू का घाव है। गांजा व अवैध शराब विक्री को लेकर चल रहे विवाद के चलते यह हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है. दो दिन में यह दूसरा हत्याकांड है. इससे अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, उन्हें कानून का बिल्कुल ही डर नहीं रहने से इंकार नहीं किया जा सकता है.

फ्रेजरपुरा थाना क्षेत्र के तहत सुंदरलाल चौक पर स्थित जजीरा होटल में काम करनेवाले वेटर का अज्ञात चार लोगों ने अपहरण कर उसका 1 लाख रुपए कीमत का आई फोन जबरन छीन लिया और चार में से एक अपहरणकर्ता ने उसे चाकू की धाक दिखाकर फिर गाडी पर बिठाया और प्रवीण नगर में ले गए, वहां उसे जान से मारने की धमकी दी और पैसों की मांग की. युवक ने अपनी बहन को फोन कर 5 हजार रुपए मांगे. उसके बाद अगर आई फोन वापसी चाहिए हो तो 15 हजार रुपए दे और पुलिस में शिकायत की तो फोन फोड़कर जान से मारने की धमकी दी गई. अरुण भंगी परते सुंदरलाल चौक पर स्थित जजीरा होटल में काम करता है. वहां अज्ञात चार लोग 11 जुलाई की रात 8 बजे पहुंचे. उन्होंने अरुण को जबरन अपने गाडी पर बिठाया और उसकी जेब से आईफोन छीन लिया। उसके बाद भी उसे 5 हजार रुपए मांगे- वह देने के बाद फिर 15 हजार की मांग की. दोनों ही घटनाओं से शहर में कानून व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है.

प्रभु भोलेनाथ की भक्ति का पावन माह है सावन

अमरावती शहर में भोलेनाथ की भक्ति भक्तों पर छायी है. गड़गड़ेश्वर महादेव, कोंडेश्वर महादेव, महेश्वर मंदिर, रविनगर के विश्वेश्वर मंदिर के साथ ही वल्लभ नगर के श्री नर्मदेश्वर भोलेनाथ मंदिर में सोमवार को जहां भक्त उमड़ रहे हैं, वहीं सावन के पावन महीने में सर्वत्र भोलेनाथ का गुणगान किया जा रहा है. भगवान शिव के प्रिय सावन मास में भोलेनाथ की पूजा का महत्व है. वैसे तो शिवजी एक लोटा जल से भी प्रसन्न हो जाते हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद देते हैं. लेकिन, श्रावण माह महात्म्य और शिव पराण में सावन में कुछ विशिष्ट दान के बारे में बताया गया है, जिन्हें करके आप सुख समृद्धि की प्राप्ति कर सकते हैं. ऐसे में आइये जानते हैं सावन में क्या क्या दान करना चाहिए.श्रावण मास महात्म्य में इस महीने के महत्व, दान, नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया है. सावन मास भगवान शिव का प्रिय महीना है और इस महीने में किए जाने वाले शुभ कर्मों का अत्यंत फल मिलता है. माना जाता है कि सावन में व्यक्ति को किसी न किसी व्रत का पालन जरूर करना चाहिए. साथ ही अपनी क्षमता अनुसार दान करना चाहिए. इससे शिवजी प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा मिलती है. ऐसे में आइये विस्तार से जानते हैं सावन मास के दान के बारे में.श्रावण मास महात्म्य के अनुसार, सावन मास में मौनव्रत रखने का बड़ा महत्व है. खासकर भोजन के समय मौनव्रत रखना चाहिए और व्रत के अंत में घंटा और पुस्तक का दान करें. इसके साथ ही ब्रह्मणों को रोटक का दान करना चाहिए. केला, नारियल, खजूर, ककड़ी, नारंगी, नींबू समेत अन्य ऋतु फल के दान करने का बड़ा महत्व है. इसके साथ ही सावन में अपनी किसी प्रिय वस्तु का त्याग करके भोलेनाथ को अर्पित करने से व्यक्ति को परम गति मिलती है और उसके सद्कर्मों का प्रति लाख गुना फल मिलता है. ओम नमः शिवाय की गूंज से शिवालय गूंज रहे हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN 43881

वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे, सेवा परमोधर्म को समर्पित वननेस मुक्तांगण

वननेस मुक्तांगण बहुउद्देशीय संस्था द्वारा शनिवार को रूक्मिणी नगर मनपा शाला तथा मनपा हिन्दी शाला अंबापेठ में आयोजित कार्यक्रम में गरीब तथा जरूरतमंद बच्चों को शालेय साहित्य का वितरण किया गया. इसमें संत गाड़गेबाबा अध्यासन केन्द्र के प्रमुख डॉ. दिलीप काले, संपादक सुभाष दुबे, वननेष मुक्तांगण के अध्यक्ष अमित बनारसे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में वीणा दुबे, वैष्णवी मोहोकार, शुभम बलखंडे, राहुल बेलसरे, रंजना तायडे के साथ अन्य मान्यवर उपस्थित थे. बच्चों को मुस्कराते चेहरे देखकर सचमुच अपार सुकून का एह सास हुआ. संस्था को उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं. कुल मिलाकर दो घंटे के सेवा कार्य से अपार सकारात्मक उर्जा का अनुभव सभी ने किया.

मानव सेवा,जरूरतमंद की मदद है पुण्य का कार्य

वननेस मुक्तांगण का कार्य सराहनीय- डॉ. दिलीप काले, दो मनपा शालाओं के बच्चों को शालेय साहित्य वितरित

विदर्भ स्वाभिमान, 16 जुलाई

अमरावती- मानवता की सेवा ही सही मायने में प्रभु की सेवा होती है. ऐसी सेवा ही सबसे पुण्य का काम होती है. जो वननेस मुक्तांगण के माद्यम से की जा रही है. इसके लिए अमित बनारसे तथा उनकी पूरी टीम की सराहना की जानी चाहिए. जरूरतमंद की समय पर मदद, गरीब छात्रों की मदद का कार्य भी किसी पुण्य कार्य से कम नहीं है. इस मामले में युवाओं की संस्था वननेष मुक्तांगण बहुउद्देशीय संस्था का प्रयास अनुकरणीय है. युवाओं के माध्यम से सकारात्मक कार्य किस तरह बेहतरीन ढंग से किया जा सकता है, इसका यह उदाहरण है. संस्था को हरसंभव सहयोग करने तथा जहां भी जरूरत हो मार्गदर्शन करने के लिए तत्पर रहूंगा, इस आशय का विश्वास डॉ. दिलीप काले ने दिलाया. जीवन में देने वाले को सदैव सुकून और खुशी मिलती है. इसलिए सदैव देने का भाव रखना चाहिए. संस्कारों का जीवन में अत्याधिक महत्व है, इसकी जिम्मेदारी मां के रूप में महिलाओं पर होती है. डाक्टर,इंजीनियर,बड़े अधिकारी के साथ ही बच्चे को सबसे पहले बेहतरीन इंसान बनाने का प्रयास करने की सलाह उन्होंने दी. विदर्भ वैधानिक विकास बोर्ड के सदस्य रहे और संत गाड़गेबाबा अमरावती विद्यापीठ के गाड़गेबाबा अध्यासन मंडल के प्रमुख डॉ. दिलीप काले ने छात्रों का बेहतरीन मार्गदर्शन किया. वे शनिवार को रूक्मिणी नगर, अंबापेठ मनपा विद्यालय के गरीब तथा जरूरतमंद बच्चों को शालेय साहित्य वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे.

इस मौके पर मनपा विद्यालय के सभी शिक्षक, मुख्याध्यापक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं. वननेष मुक्तांगण संस्था के अध्यक्ष अमित बनारसे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में संपादक सुभाष दुबे, वीणा दुबे, वैष्णवी मोहोकार, शुभम बलखंडे, राहुल बेलसरे, रंजना तायडे के अलावा मुख्याध्यापक सिडाम तथा अन्य मान्यवर उपस्थित थे। अतिथियों के हाथों छात्र-छात्राओं को दप्तर, नोटबुक्स, रजिस्टर सहित शालेय साहित्य प्रदान किया गया। संस्था के पदाधिकारी सभी निजी और सरकारी नौकरी में हैं, यह आपसी सहयोग के साथ सामाजिक सहयोग से इस तरह का उपक्रम चलाते हैं। संस्था की जानकारी अध्यक्ष अमित बनारसे ने दी. साथ ही समाज के गरीब,जरूरतमंद छात्रों को राज्य स्पर्धा परीक्षा के लिए भी हरसंभव निःशुल्क मार्गदर्शन देने का भरोसा दिलाया. डॉ. काले ने मौके पर उपस्थित कुछ अभिभावकों का मार्गदर्शन भी किया. उन्होंने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया. वैष्णवी मोहोकार ने भी बच्चों का मार्गदर्शन किया. उनके मुताबिक बच्चे कच्ची मिट्?टी समान होता हैं, आदर्श संस्कार के माध्यम से उन्हें बेहतरीन आकार दिया जा सकता है. अत्यंत उत्साहपूर्ण मा हौल में हुए कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन अमित बनारसे ने किया. इस समय मनपा विद्यालय रूक्मिणी नगर की मुख्याध्यापिका के साथ ही सभी शिक्षक उपस्थित थे। दोनों विद्यालयों में शालेय साहित्य का वितरण किया गया. इसके लिए जरूरी आर्थिक प्रबंध अमित बनारसे के साथ ही उनके सभी सहयोगियों ने किया. उनके सामाजिक कार्यों के लिए मौके पर गुलाब पुष्प देकर उनका भी सत्कार किया गया.

चिखलदरा में पर्यटकों की सभी सुविधाओं का ख्याल रखें

बैठक लेकर जिलाधिकारी आशीष येरेकर का निर्देश, 50 पुलिस जवानों की होगी यातायात व्यवस्था में तैनाती, व्यापारियों को भी कड़ी चेतावनी

विदर्भ स्वाभिमान, 16 जुलाई

अमरावती- पर्यटन क्षेत्र के माध्यम से विकास के साथ ही अपार रोजगार की संभावना है. इसी बात को गंभीरता से लेते हुए जिस तरह से जिलाधिकारी आशीष येरेकर ने बैठक ली और यातायात व्यवस्था को लेकर समुचित व्यवस्था की, इसकी सराहना की जानी चाहिए. विदर्भ के नंदनवन चिखलदरा के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर घूमने के लिए शनिवार और रविवार को बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, इससे जहां नगर पालिका को लाखों की आय होती है,वहीं इससे क्षेत्र के विकास को भी गति मिलती है.वीकेंड में हजारों की संख्या में पर्यटक आना निश्चित तौर पर खुशखबरी है, लेकिन उनकी समुचित व्यवस्था करना, उन्हें कोई परेशानी नहीं हो, इस दिशा में जिला प्रशासन का यह प्रयास निश्चित ही आगामी समय में बेहतरीन परिणाम देगा. यातायात की भीड़भाड़ के कारण, चिखलदरा जाने वाले और चिखलदरा से परतवाड़ा आने वाले यातायात का एकतरफ़ा नियंत्रण अब शुक्रवार दोपहर 2 बजे से सोमवार दोपहर 2 बजे तक रहने का आदेश जिलाधिकारी आशीष येरेकर ने दिया है.

चिखलदरा में पर्यटकों की सुविधा के लिए बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई. बैठक में ज़िला पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद, चिखलदरा और धारणी के तहसीलदार, उपवन संरक्षक और नगरपालिका अधिकारी उपस्थित थे. बैठक में मख्य रूप से पर्यटकों की समस्याओं पर चर्चा की गई. पर्यटकों की समस्याओं के समाधान के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. इससे पहले, सप्ताहांत और रविवार को चिखलदरा जाने वाले यातायात और चिखलदरा से परतवाड़ा आने वाले यातायात को एकतरफा करने का निर्णय लिया गया था. इस परिवर्तन के साथ यह एकतरफा यातायात पिछले दिन यानी शुक्रवार दोपहर 2 बजे से अगले दिन यानी सोमवार दोपहर 2 बजे तक लागू रहेगा. इससे यातायात नियंत्रण अधिक प्रभावी हो सकेगा. यातायात के लिए छह चोक पॉइंट चिन्हित किए गए हैं और भविष्य में चिखलदरा और उसके आसपास के क्षेत्रों में 50 पुलिस जवानों,अधिकारियों की अतिरिक्त टुकड़ी तैनात रहेगी. इनके माध्यम से यातायात नियंत्रण किया जाएगा. इसके साथ ही, वन विभाग की चौकी पर अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं. इससे वन विभाग की चौकी पर वाहनों की कतारें कम करने में मदद मिलेगी. इसके साथ ही नगर परिषद की चौकी पर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं. इससे चौकी पर भीड़ कम करने में मदद मिलेगी.

पर्यटकों की सुविधाओं के लिए अतिरिक्त पार्किंग स्थल खोजने के निर्देश पुलिस अधिकारियों और तहसीलदारों को दिए गए. यदि आवश्यक हुआ, तो जिला प्रशासन निजी भूमि का अधिग्रहण करके इस स्थान पर पार्किंग की सुविधा प्रदान करेगा.

इसके साथ ही पर्यटकों के लिए आवश्यक पानी की बोतलें और अन्य खाद्य सामग्री निर्धारित दरों से अधिक दामों पर बेचे जाने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं. इस संबंध में सभी प्रतिष्ठानों को सूचित कर दिया गया है. यदि निर्धारित दरों से अधिक मूल्य पर बेचने की शिकायत प्राप्त होती है, तो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी. जिला प्रशासन ने सभी विभागों के समन्वय से चिखलदरा आने वाले उत्साही पर्यटकों को सभी सुविधाएँ प्रदान करने की तैयारी पूरी कर ली है. जिला प्रशासन ने पर्यटकों से चिखलदरा आने और प्रकृति का आनंद लेने की अपील की है.

जिलाधिकारी की पहली बार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई इस पहल की निश्चित तौर पर सराहना की जानी चाहिए, इसका बेहतरीन नतीजा आगामी समय में आएगा, इसमें संदेह की गुंजाईश नहीं है.

अल्प भक्ति में खुश होते हैं कलयुग में भगवान

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-26, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी-धरती पर कलियुग में साधु, स्त्रियों शूद्र जनों के मन में स्वामी वेंकटेश्वरर स्वयं उपदेश देकर माधव के प्रति प्रीति जगाकर उनका उध्दार करते हैं. इसलिए कलियुग में किसी भी रूप में श्री वेंकटेश्वर के समीप धरती पर पैदा होने के लिए देवता भी तत्पर रहते हैं. कृत त्रेता व्दापर युगों में अनेक हजार वर्ष तप करने पर भी श्रीहरि का प्रसन्न होना दुर्लभ था. वहीं कलियुग में कोई भी मुहूर्त काल में निश्चल भक्ति से श्री स्वामी का ध्यान करने मात्र से अत्यंत सुलभ ढंग से वे प्रसन्न होते हैं. इसलिए कलियुग ही उत्तम है. समझकर व्दीपांतर में रहनेवाले सकल देशवासी कलियुग में प्रकाशवान श्री वेंकटेश्वर पर अमित भक्ति रखते हैं. इससे अलग श्रीवेंकटेश्वर समान देव और कोई दूसरा नहीं है.यह भी सत्य है. कृतयुग आदि तीनों युगों में वें कटाद्रि कनकमय के रूप में रही. किंतु कलियुग में वह शिवामय रूप में दिखाई देती है. उस गिरी पर बसे श्रीवेंकटेश्वर स्वामी के लीला-विनोद अनंत और अनेक हैं. इसलिए मैंने आपको अति संक्षेप में बताया.ऐसी वेंकटाद्रि पर रहकर आचार और समाश्रय के साथ रहनेवाले विष्णु भक्त वैष्णवों को देखकर देवतागण भी आनंद का अनुभव करते हैं. अन्य धर्म के लोग भी श्री वेंकटेश्वर पर भक्ति रखते हैं.कलियुग में लोक जन अधिक धन कमाने की इच्छा से अनेक दुर्गुणों के आश्रय में जाते हैं ऐसे लोग हरि पर एकाग्र चित्त होकर निश्चल भक्ति नहीं रख पाते हैं. अगर वे निश्चल भक्ति से स्वामी का ध्यान करते हैं तो बहुत आसानी से श्रीनिवास उनका उध्दार करते हैं. इसलिए सारे धर्मों में वैष्णव धर्म ही उत्तम है. इस रूप में कहनेवाले सूत को देखकर शौनकादि मुनियों ने कहा.

श्री वैष्णव धर्म-वेंकटाद्रि पर बसे श्री वेंकटेश्वर अत्यंत प्रचलित हुए. धरती पर रहनेवाले जनों पर स्वामी ने कैसे बड़ी कृपा दिखाई है ऐसे श्री वेंकटेश्वर की सत्कथा सुनकर हमारे तप धन्य हो गए. शुभ है! हे सूत आपने वैष्णव धर्म का नाम लिया. हे सूत! वैष्णव धर्म के बारे में और विपुलता से हमें बताइए. पूछने पर सूत ने सम्मति से मुनियों की ओर देखकर इस रूप में कहा. धरती के सागर में डूब जाने पर वराह स्वामी ने अपने शुभ्र और नुखीले दांतों से उठाकर धरती को फिर से यथास्थान पर स्थापित किया. वे वराह स्वामी भूदेवी समेत शेषाद्रि पर बसे. यह देखकर धरती के जन अत्यंत आनंदित हुए. वराह रूप और निर्मल वैष्णव धर्म के बारे में बताने के लिए भूमि के पूछने पर भूदेवी की ओर देख कर बड़ी दया से श्रीहरि ने इस रूप में कहा. वैष्णव धर्म के बारे में विस्तार से बता नहीं सकता संक्षेप में बताऊँगा. क्योंकि वैष्णवाचार धरती पर अति गोप्य हैं. विश्वास के साथ जो कोई सुनेगा निस्संदेह उनको परलोक गति प्राप्त होगी. वैष्णव धर्म में गुरू ही धर्म है. सग्दुरु ही परमगति है. गुरु को आत्मा के रूप में विश्वास करनेवालों को धरती पर करनेवाले सारे पाप मिट जाते हैं. इसलिए गुरु की महिमा को जानकर भक्ति करनेवालों को वैष्णव कहा जाता है. यह सूत्र लोक प्रसिध्द है. कितने भी पाप क्यों न किया हो सद्गुरु के पास जाकर शरण मांगने पर सारे पाप मिट जाते हैं. गुरु के शिष्य बनने के बाद किसी भी प्रकार का पाप नहीं करना चाहिए. ऐसा क्यों है क्योंकि गुरु के कटाक्ष के पहले अनजान में किए गए पापों से मुक्त होने का मार्ग गुरु बतायेगा. आचार्यानुग्रह प्राप्त होने पर पूर्व में जानबूझ कर किए गए पापों को गुरु दूर नहीं कर सकता है. इसलिए ऐसे पाप गुरु के व्दारा दूर नहीं होंगे यह जान कर वैष्णव लोग बुध्दिमान होते पाप बीति से आचरण करना चाहिए. गुरु ही साक्षात विष्णु है, ऐसा शिष्य को विश्वास करना चाहिए. गुरु को मनुष्य मात्र के रूप में देखने वाले को उत्तम गति प्राप्त नहीं होगी. संसार सागर में डूबते समय उत्तम शास्त्र धर्म रूपी हाथ बढ़ा कर गुरु ही वैष्णव को ऊपर उठायेगा. साथ ही मोक्ष मार्ग में आगे ले जायेगा. ऐसा उपकार करनेवाले गुरु के लिए अपने को पाप कर्मों से दूर रखना ही प्रत्युपकार माना जाता है. आचार्य कौन है सुनो मैं बताऊँगा. भूदेवी को देखकर वराह स्वामी ने कहा. उनके मुताबिक कलयुग सबसे पुनीत है और इसमें अल्प पूजा-अर्चना तथा प्रभु के नाम स्मरण से प्रभु भक्तों पर खुश हो जाएंगे. इस दौरान ईमानदार को तकलीफ होगी लेकिन उनका कोई काम कभी नहीं रूकेगा.

शेष आगे के अंक में

Happy Birthday!

हम सभी के चहेते, व्यवसायी,समाजसेवी

रविन्द्र सिंग सलूजा

उर्फ बिट्टूभैया

को जन्मदिन की

मंगलमय हार्दिक

शुभकामनाएं.

अधिकाधिक संख्या में रक्तदान करते हुए सामाजिक कर्तव्य का निर्वहन करें.

शुभेच्छुक

बिट्टूभैया सलूजा मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती.

सुविधाओं की मोहताज नहीं होता है सफलता- सीए राजराजेश्वर तिवारी

विदर्भ स्वाभिमान, 16 जुलाई

चांदूर रेलवे- सीमित संसाधन, पारिस्थितिक संघर्ष, कुछ कर दिखाने की लगन तथा आसमान छूने का जुनून जब कर्मठता की परिसीमा पार कर लेता है तब कोई भी सपना महज सपना नहीं रह जाता, वह एक हसीन सफलता का परिचायक बन जाता है, इसलिए सपने देखने के बाद उसे पूरा करने के लिए जी-जान से प्रयास करना चाहिए, फिर सफलता निश्चित मिलती है. इस आशय का मत चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त करने वाले राजराजेश्वर तिवारी ने विचार व्यक्त किया. हाल ही में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा ली गई सी ए फाइनल परीक्षा के घोषित परिणामों में जिले में टॉपर का स्थान अर्जित करनेवाले परीक्षार्थी राजराजेश्वर तिवारी ने अपनी संघर्ष की कहानी बयान करतें हुए सघन परीश्रम तथा लक्ष केंद्रित समय बधता को प्राथमिकता देने की बात कही.

देश की कठिनतम परीक्षाओं मे से एक मानी जाने वाली सी ए परीक्षा के पहले ही प्रयास मे सफल होने से समूचा परिवार उत्साह में है. आगे पढ़ाई जारी रखते हुए प्रतिष्ठित अमेरिकन डिग्री सीएफए कर अंतर्राष्ट्रीय वित्त कानूनों के अध्ययन का मानस राजराजेश्वर ने जताया .विभिन्न समाजीक संगठन, शहर के गणमान्य नागारिक, राजनेता तथा शुभचिंतकों ने राजराजेश्वर के घर पहुंच सँफलता के लिए बधाई प्रेषित की. राज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजन तथा परिजनो को दिया.

राजपुरोहित

फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी

इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी

HD व्हिडीओ शुटींग | इंस्टाग्राम रील

कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शुट

फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने

शिलांगण रोड, अमरावती

संपर्क : 9028123251

सफलता में नम्रता, सेवाभावी व्यक्तित्व हैं बिट्टूभैया

जन्मदिन पर विशेष आदर्श परिवार प्रमुख के रूप में भी निभाते हैं जिम्मेदारी,दोनों बेटे कर रहे नाम रोशन

विदर्भ स्वाभिमान

क़ुछ लोग बहुगुणी होते हैं, सम्पन्न होकर भी विनम्र होते हैं और उनका सेवा कार्य बिना किसी तरह के प्रचार के भी चलता है. ऐसे ही लोगों में होटल ईगल इन के संचालक हैं. सालभर सामाजिक कामों, दिव्यांगों के सेवा कार्य में हाथ बंटाते हैं लेकिन यह किसी को बताते नहीं हैं. बिट्टूभैया आज न केवल अमरावती बल्कि विदर्भ में जानी-मानी सफल हस्ती हैं लेकिन उनका याराना रवैया सभी को उनका कायल बना देता है. बातचीत की सादगी उनके बड़प्पन का पता नहीं लगने देती है. रक्तदान के माध्यम से अभी तक जन्मदिन पर हजारों बोतल रक्त जमा कर गरीबों और जरूरतमंद मरीजों को देने का पवित्र कार्य उन्होंने किया है.

होटल व्यवसायी, मानवता की सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले,यारों के दिलदार और चहेते रविन्द्र सिंग सलूजा उर्फ बिट्टूभैया ऐसे व्यक्ति हैं, जिनका पूरा जीवन संघर्ष,सफलता और बाद में समाज को लगातार देने से ही भरा हुआ है. आज के दौर में जहां मामूली मदद का ढिंढोरा पीटा जाता है, वहीं भैया का सालभर सेवा उपक्रम चलता है लेकिन किसी से जिक्र तक नहीं करते हैं. उनके मुताबिक जितना संभव होता है, मानवता की सेवा करने का प्रयास करते हैं. सभी रिश्तों को भी आदर्श तरीके से निभाते हैं. परिवार प्रमुख, आदर्श पिता,पति के साथ ही उनका कार्य और इसके प्रति समर्पण निश्चित तौर पर युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है. काम को जहां वे पूजा मानते हैं, वहीं उनका कहना है कि बिना मेहनत के कुछ हासिल नहीं होता है. इसलिए जिसने मेहनत से मुंह मोड़ा, सफलता उससे मुंह मोड़ लेती है. युवाओं को किसी भी काम को कम नहीं समझनऔर जो भी जिम्मेदारी मिले, उसे दिल से निभाने की सलाह देते हैं. हर क्षेत्र में उनकी मजबूत पैठ रहने,सभी दलों के नेताओं के साथ व्यक्तिगत करीबी संबंध के बाद भी कभी किसी तरह का गर्व नहीं करते हैं. सेवाभाव उनमें कूट-कूटकर भरा है. दोनों बेटे भी पिता के आदर्श विचारों पर चलते हुए नम्रता की मूरत कहा जाए तो गलत नहीं होगा. का उल्लेख किया जा सकता है. सेवाभाव कूट-कूटकर भरा हुआ है.

हर साल अपने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर लेकर गरीब मरीजों की जरूरतों का जहां ख्याल रखते हैं, वहीं दिव्यांग, समाज के जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. मदद करने वाले को पहली शर्त यही रखते हैं कि यह बात केवल उन दोनों तक ही रहेगी. इस साल भी भाई साहब के 21 जुलाई को जन्मदिन पर रक्तदान शिविर रखा गया है. इसके माध्यम से भी समाज सेवा तथा गरीब और जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराना ही विचार रहता है. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की उन्हें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं.सैकड़ों लोगों को रोजगार के माध्यम से जहां मदद करते हैं, वहीं कोई गरीब, मरीज उन्हें दर्द बताए तो यथासंभव मदद से नहीं चूकते हैं. उनकी सादगी, उनका अपनापन किसी को भी प्रसन्न कर देता है. वे कहते हैं कि आप किसी को सम्मान देंगे तो निश्चित ही आपको भी सम्मान मिलेगा. व्यवसायी के रूप में रविन्द्रसिंग उर्फ बिट्टूभैया सलूजा जितने सफल हैं, उतने ही सफल वे रिश्तों को निभाने के मामले में भी रहते हैं.यही कारण है कि न केवल अमरावती बल्कि देशभर में लाखों की संख्या में उनका मित्र परिवार है.सामाजिक कामों में जहां अग्रणी रहते हैं, वहीं दूसरी ओर सदैव नेक कामों में योगदान देने से पीछे नहीं हटते हैं.हर व्यक्ति को अपनी ओर से जितना संभव हो, मानवता की सेवा करनी चाहिए. सेवा केवल पैसे से ही नहीं होती है बल्कि किसी जरूरतमंद को रक्तदान कर भी हम सेवा कर सकते हैं. यही कारण है कि हर साल अपने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर लेते हैं. रक्तदान शिविर में अधिकाधिक लोगों से शामिल होकर सामाजिक योगदान देने का आग्रह उन्होंने विदर्भ स्वाभिमान के माध्यम से किया है. हमारी शुभकामनाएं.

भैया के जन्मदिन पर होटल ईगल इन में लोगों का मेला लगता है. उनके मुताबिक जितना संभव होता है, समाज के लिए करने का प्रयास करते हैं. लोगों के प्रेम और अपनेपन को वे अपनी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं. उनका कहना है कि सभी समर्थ रहने के बाद सामाजिक कामों में योगदान देना चाहिए. प्रभु की कृपा बरसना भी भाग्य की बात होती है.

भोलेनाथ की आराधना में डूबे हजारों भक्त

ओम नमः शिवाय की गूंज के साथ भोले का श्रृंगार भक्तों को दे रहा सुख अपार

विदर्भ स्वाभिमान, 16 जुलाई

अमरावती- शहर तथा जिले में भोलेनाथ की भक्ती में पूरा जिला डूब गया है. ओम नमः शिवाय के साथ बम-बम भोले की घोषणाओं से जहां शिवालय गूंज रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हजारों की संख्या में भक्त इसमें शामिल हो रहे हैं. शहर के गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर, विश्वेश्वर महादेव मंदिर के साथ ही कंवर नगर के शिव मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है. हिंदी भाषियों के पहले ही सावन सोमवार को भक्तों का रेला उमड़ पड़ा और सभी ने दर्शन तथा पूजा-अर्चना कर अपना जीवन धन्य किया. बम भोले की गूंज से पूरा क्षेत्र गूंज रहा है.

पवित्र सावन महीने के पहले सोमवार को शिवालयों में अपार भक्तिभाव के साथ ही भक्तों में भी अपार उत्साह दिखाई दिया. मंदिरों में भोलेनाथ के बेहतरीन और मनोहारी श्रृंगार को लेकर जहां भक्तों में अपार उत्साह था, वहीं शिव मंदिर कंवर नगर में पहले ही दिन भगवान भोलेनाथ का गणेशमय श्रृंगार ने भोले भक्तों को अपार खुशी प्रदान की. शहर के विश्वेश्वर मंदिर, बडनेरा रोड के रामेश्वर धाम, गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर, कोंडेश्वर महादेव मंदिर के साथ ही छांगानी नगर के श्री महेश्वर और वल्लभ नगर के नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही भक्तों का आगमन शुरू हो गया था. हिन्दी भाषियों का पहला सावन सोमवार रहने से मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्तों के उमड़ने की संभावना के मद्देनजर एक दिन पूर्व रविवार को ही मंदिर संस्थान द्वारा प्रबंध किया गया था. बडनेरा रोड के रामेश्वरम शिव मंदिर में भी सुबह से भक्त पहुंचे थे.भोलेनाथ को अत्याधिक प्रिय सावन महीने के पहले सोमवार को रात 12 बजते ही शहर के शिवालय बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठे. बड़ी संख्या में भक्तों ने भगवान भोलेनाथ पर जल और दूध अर्पित किया, बेलपत्र-धतूरा आदि चढ़ाकर पूजा की. शहर के विभिन्न महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर उनका पूजन किया.सावन मास में भगवान शिवशंकर एवं माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना का महत्व है. इसके साथ ही इस महीने में कांवड़ यात्रा करना भी शिव की आराधना में शामिल है. सावन के पहले सोमवार को भक्तों की भीड़ मंदिरों में उमड़ी. भक्तों में अपार उत्साह था और मंदिरों में पहुंचकर शिवलिंग का अभिषेक किया.इसके साथ ही रूद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र का जाप आदि धार्मिक अनुष्ठान भी होंगे.पवित्र सावन महीने को लेकर युवा भोलेनाथ भक्तों में अत्याधिक उत्साह दिखाई दे रहा है. गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर में सुबह ही भक्तों ने पहुंचकर महादेव का मोहक श्रृंगार किया. महेन्द्र बोपलकर, दिलीप मकवाने सहित अन्य भक्तों ने वल्लभनगर स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में सुबह ही पहुंचकर उन्होंने श्रृंगार के साथ ही सुबह की आरती में भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए. इस मौके पर बड़ी संख्या में दम्पतियों ने सोमवार को उपवास भी किया.

कंवर नगर शिव मंदिर-कंवर नगर स्थित शिव मंदिर में सोमवार को अपार उत्साह था, पहले दिन भक्तों ने भोलेनाथ का गणेशमय श्रृंगार किया, यहां पर एक महीने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. बड़ी संख्या में भक्तों ने दम्पति के रूप में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया. इसमें शिव महिला मंडल, शिव सेवा समिति की कमला झांबानी, रेखा भुतड़ा, खुशी छाबड़ा, शीतल भुतड़ा, मुस्कान आहूजा, जिआ सेवानी, नौतू हेमराजानी, लक्ष्मी खत्री, भावना झांबानी, माया हरवानी, भाविका भुतड़ा, हर्षा आडवाणी के अलावा युवाओं में मनीष झांबानी,योगेश शादी, मनोहर झांबानी, आशीष बतरा, सनी मूलचंदानी, राजेश बजाज, विनोद ककरेजा, गिरीश हरवानी, मयूर मंधान, अवि बतरा, कपिल मूलचंदानी, विक्की शादी को सफल बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

ज़ीवन में प्रभु की भक्ति जो लोग करते हैं, वह आत्मिक रूप से बाकी लोगों की तुलना में कम तनाव लेते हैं और कठिन से कठिन मुसीबतों से भी बच जाते हैं. धर्म से आचरण और आचरण से संस्कार बनता है. बेहतरीन संस्कार जीवन को संवारने का प्रयास करता है. घर में बच्चों को सुबह या शाम जैसे भी समय मिले माता-पिता को कम से कम 15 मिनट लेकर बैठना चाहिए और उन्हें हमारे ईष्टदेव की भक्ति करने की प्रेरणा देनी चाहिए. ऐसे माता-पिता पर वृद्धाश्रम जाने की नौबत नहीं आती है.

गौड़ ब्राह्मण समाज ने किया मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा का सत्कार

विदर्भ स्वाभिमान, 16 जुलाई

अमरावती - सामाजिक एकता के साथ ही विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से ब्राह्मण समाज की महिलाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करने वाले गौड़ ब्राह्मण समाज की महिला मंडल ने हाल ही में अमरावती महानगर पालिका के आयुक्त व प्रशासक के तौर पर पदभार संभालने वाली आईएएस अधिकारी सौम्या शर्मा चांडक का स्थानीय गौड ब्रह्मण समाजबंधुओं द्वारा उनके कक्ष में पुष्पगुच्छ प्रदान करते हुए भावपूर्ण स्वागत-सत्कार किया गया. साथ ही उनका इस नियुक्ति पर अभिनंदन करते हुए उन्हें अमरावती मनपा में सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दी गई.उन्हों ने भी शहर समस्या के निवारण में सभी से सहयोग करने का आग्रह किया.

इस अवसर पर गौड ब्रह्मण समाज के अध्यक्ष नितेश पांडे व सचिव राजेश शर्मा, युवा मंडल के अध्यक्ष राज दुबे एवं नवयुवती मंडल की अध्यक्षा मर्यादा शर्मा सहित बालकिशन पाण्डेय, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, श्याम शर्मा (रक्तदान), दीपक मानका, बबलू तिवारी, विक्की शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, श्याम सी. शर्मा, मनीष चौबे, सुनीता मानका, सुषमा शर्मा, मंजू तिवारी, पुष्पा मानका, शमा तिवारी आदि उपस्थित थे.

गरीब आदिवासी माहेश्वरी पवार की सर्जरी करवाई

विधायक प्रतापदादा अडसड़ के कारण बची गरीब बच्ची की जान

विदर्भ स्वाभिमान, 16 जुलाई

धामणगांव रेलवे- जनता के लिए पूरी तरह से समर्पित तथा हर गरीब,आदिवासी,दलित के सुख-दुख के साथी के रूप में स्थान रखने वाले विधायक प्रतापदादा अडसड के प्रयासों से गरीब आदिवासी बच्ची को जीवनदान मिला. परिवार की स्थिति खराब थी और बच्ची जन्म से ही दिव्यांग थी. डॉक्टर ने सर्जरी की सलाह दी, लेकिन इसकी लागत छह लाख रुपये थी. 6 लाख रूपए का ऑपरेशन गरीब माता-पिता के बस की बात नहीं थी. लेकिन विधायक प्रताप अडसड द्वारा सही समय पर मदद का हाथ बढ़ाया और मुंबई के अस्पताल में शिरपुर पारधी बेड़ा निवासी साजन पवार की बेटी के पैर की सर्जरी की गई.

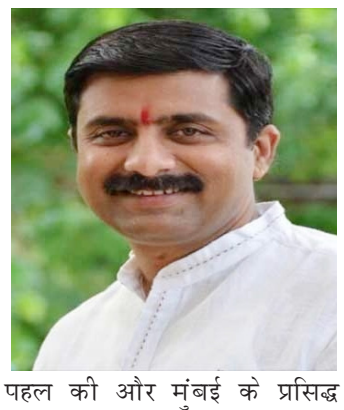

इसके लिए विधायक अडसड ने तुरंत पहल की और मुंबई के प्रसिद्ध एसआरसीसी अस्पताल के प्रशासन से संपर्क कर बच्ची की निःशुल्क सर्जरी की व्यवस्था की. अस्पताल के सहयोग से, सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हुई और माहेश्वरी अब धीरे-धीरे बेहतर महसूस कर रही है. पारधी समाज ने विधायक के प्रति कृतज्ञता जताई.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

रोटरी क्लब ऑफ अमरावती मिडटाउन का स्थापना समारोह रहा शानदार

प्राइम पार्क में भव्यता से संपन्न,आशीष मों गा बने अध्यक्ष, डॉ.मनमोहन सोनी,प्रमोद पुरोहित बने सचिव

विदर्भ स्वाभिमान, 16 जुलाई

अमरावती- सामाजिक सेवा के साथ ही शहर के विकास में भी सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रोटरी क्लब ऑफ अमरावती मिडटाउन के नवनियुक्त अध्यक्ष रोटेरियन अशिष मोंगा, सचिव डॉ मनमोहन सोनी व प्रमोद पुरोहित, कोषाध्यक्ष सिद्धांत लड्ढा एवं उनकी टीम के स्थापना समारोह का आयोजन प्राइम पार्क, अमरावती में भव्य रूप से संपन्न हुआ. समारोह की भव्यता ने जहां सभी को आकर्षित किया, वहीं नियोजनबद्ध कार्यक्रम की सराहना भी सभी ने की.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रबी नारायण नंदा उपस्थित रहे तथा स्थापना अधिकारी के रूप में क्लब रोटे किशोर राठी ने नई टीम को शपथ दिलाई. समारोह में रोटे किशोर केडिया, रोटे डॉ. जुगल चिरानिया, श्री नानक आहूजा (प्रधान संपादक, प्रतिदिन अखबार) एवं विलास माराठे (मैनेजिंग एडिटर, दैनिक हिंदुस्तान) विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे.

इंस्टॉलेशन सेरेमनी की शुरुआत आशिया काळे के गणेश वंदना से की गई. पश्चात मान्यवरों के हाथों दीप प्रज्ज्वलन एवं मान्यवरों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया. जब नवनिर्वाचित रोटरी अध्यक्ष आशीष मोंगा ने अपने विचार व्यक्त

करने माइक हाथ में लिया तब इक ओंकार की अरदास ने सभी के प्रति ईश्वरिय भाव के अद्भुत अनुभूति में अत्यधिक प्रसन्नता से भर दिया था.इस कार्यक्रम मे जहाँ जर्मनी से 11 माह की यात्रा कर लौटी पुर्णा खांडपासोले का विशेष रूप से सत्कार किया गया. अत्यंत उत्साहपूर्ण माहौल में हुए कार्यक्रम में पारिवारिक आत्मीयता और प्रेम की अनुभूति सभी पदाधिकारियों के साथ ही इस समारोह में शामिल होने वाले शहर के विभिन्न क्षेत्र के मान्यवरों को भी हो रही थी.

एक क्लब के कार्यकाल में सिर्फ ट्रांसलेशन न हो, क्लब नए स्थाई उपक्रम की नींव रखे. रोटरी के कार्यों से समाज में बदलाव लाना चाहिए. रोटरी सेवा का ऐसा मंच है जो एक परिवार की तरह होता है. इसमें सभी सदस्य मिलजुलकर समाज सेवा के उपक्रम करते हैं. क्लब के सदस्य समय और धनदान देकर इन उपक्रमों को पूरा करते हैं. यह विचार प्रांतपाल प्रतिनिधि पीडीजी रवि नारायण नंदा ने रोटरी क्लब ऑफ अमरावती मिडटाउन के 2025-26 के इंस्टॉलेशन कार्यक्रम में व्यक्त किए.

छात्राओं को साइकिल वितरण- इस समारोह के दौरान भी रोटरी द्वारा सेवा का भाव बरकरार रखते हुए समाज की दस से अधिक जरूरतमंद छात्रों को साइकिल प्रदान कर उनकी शिक्षा में सहयोग करने का प्रयास किया गया.

जिससे उनकी शिक्षा तक पहुंच आसान हो सके. पर्यावरण संरक्षण हेतु पहल

जिसमें जूट बैग वितरित किए गए और घटाओ, पुनः उपयोग करो, पुनर्चक्रण करो का संदेश दिया गया, ताकि हम बेहतर कल का निर्माण कर सकें. यह पर्यावरणीय अभियान एकवीरा आर्किटेक्चर एंड इंजीनियर्स के सौजन्य से प्रायोजित किया गया.

रोटरी मिडटाऊन अस्पताल की घोषणा की गई. सभीने नई कार्यकारिणी को बधाई दी. गत वर्ष के अध्यक्ष श्रीकांत मानकरजी का सत्कार किया गया. सचिव डॉ विनीत साबू ने गत वर्ष की रिपोर्ट पेश की. सभी के और से सराहा गया.

गुरूवार 17 से 23 जुलाई 2025

मेष- अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

वृषभ-नाहक किसी के साथ विवाद से बचें . वाहनादि के साथ भाग्य इस सप्ताह साथ देगा. मेहमानों का आगमन होकर घर में खुशी का माहौल रहेगा. अपने काम पर विशेष ध्यान देना आपके लिए बेहतरीन रहेगा.

मिथुन-यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-स्वास्थ्य संबंधी समस्या परेशान कर सकती है. स्वास्थ्य पर ध्यान दें और अधिक दौड़धूप से बचने का प्रयास करें. वाहन संभालकर चलाएं.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

विधायक खोड़के दम्पति के साथ,अध्यक्ष के प्रयास ने दिखाया असर

तपोवन के कुष्ठरोगियों का जीवन और होगा बेहतरीन

स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबितकर के साथ बैठक में 99 प्रस्ताव मंजूर, अनुदान वृद्धि को मिली मंजूरी

विदर्भ स्वाभिमान,16 जुलाई अमरावती- पद्मश्री डॉ. शिवाजीराव पटवर्धन के विदर्भ महारोगी सेवा मंडल तपोवन के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई ने तपोवन की विभिन्न महत्वपूर्ण ग्यारह मांगें महाराष्ट्र राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबितकर के समक्ष रखीं और तपोवन के लिए एक सफल विकास योजना का प्रस्ताव रखा. इस पर विधानमंडल स्थित उपमुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबितकर ने अधिकांश मांगों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए साथ ही कुष्ठ रोगियों और उनके पुनर्वास के लिए अनुदान में वृद्धि की जाएगी. दाजीसाहेब पटवर्धन की जयंती पर उपस्थित विधायक सुलभा खोडके और विधायक संजयराव खोडके को अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई ने तपोवन की प्रगति, महत्व, कार्य और अपेक्षित विकास के बारे में जानकारी दी.

खोड़के दम्पति के सार्थक प्रयास और डॉ.गवई की कोशिश से विदर्भ महारोगी सेवा मंडल, तपोवन की समस्याओं और अनुदान के संबंध में मंत्री प्रकाश आबितकर के साथ बैठक ली गई. बैठक में सुलभा खोडके, स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. कादंबरी बलकवड़े, स्वास्थ्य संचालक डॉ. विजय कंडेवाड़, संयुक्त निदेशक डॉ. संदीप सांगले और अन्य अधिकारी उपस्थित थे. विदर्भ महारोगी सेवा मंडल तपोवन की स्थापना के बाद पहली बार, तपोवन संगठन की मांगों के लिए स्वास्थ्य मंत्री और अधिकारियों के साथ मंत्रालय में एक अलग बैठक आयोजित की गई थी. तपोवन के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई और उप सचिव ह्रषिकेश देशपांडे को इस बैठक में आमंत्रित किया गया था. डॉ. सुभाष गवई ने बैठक में एक प्रस्ताव के माध्यम से कुष्ठ उन्मूलन और पुनर्वास कार्य में पिछले कई वर्षों से तपोवन संस्थान के लिए जरूरी 11

महत्वपूर्ण मांगों को रखा और इस बात का प्रमाण प्रस्तुत किया कि वे मांगें कितनी गंभीर और आवश्यक हैं. पिछले 77 वर्षों से इस क्षेत्र में काम करने की जानकारी दी.

स्वास्थ्यमंत्री ने सराहा- डॉ.सुभाष गवई की अध्यक्षता में सेवारत इस संस्थान में कुष्ठरोगियों के लिए जारी कार्य की सराहना स्वास्थ्य मंत्री ने करते हुए अपनी ओर से हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया.

पिछले 77 वर्षों से तपोवन संस्था की प्रगति और कुष्ठरोगियों के कल्याण के लिए जारी काम की सराहना स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबितकर ने की. साथ ही संस्था की प्रगति, कार्य और वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी मांगों को स्वीकार किया और सरकार का सहयोग देने का भरोसा दिलाया. उन्होंने संस्थाध्यक्ष डॉ.सुभाष गवई के प्रयास की भी सराहना की. तपोवन क्षेत्र में पर्यावरण की सुंदरता निश्चित तौर पर जारी बेहतरीन काम का प्रमाणपत्र है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

दुग्धपूर्णा
हळवीशी हाक
कुणाला कुणाची
फुले प्राजक्ताची
अलवार
तृप्तीच्या हाकेला
उत्तरली काया
तृप्तीची ही माया
खरीच ती
पुरूषोत्तम पाटील
तृप्ती तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये
शितपेयाचा राजा
दुग्धपूर्णा
राजकमल चौक, अमरावती

श्री बालाजी
कॅटरर्स
आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.
भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.
द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास – मो. ९९७५२७७१९९